हिन्दुस्तान

दिनांक: 03 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

पत्रकारिता के क्षेत्र में भाषा विज्ञान पर पकड़ जरूरी

अविवि

अयोध्या, संवाददाता। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के एमसीजे विभाग के डॉ. मनोहर लाल ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में भाषा विज्ञान पर पकड़ बनानी आवश्यक है। अध्ययन, विमर्श, संवाद जैसे प्रमुख बिन्दुओं पर छात्रों को ध्यान केन्द्रित करना होगा। यही पत्रकारिता का धर्म भी है। उन्होंने कहा कि जनसम्पर्क के क्षेत्र में प्रबंधन के साथ आपस में विश्वसनीयता के परिवेश को तैयार करने की विधा विकसित करनी होगी।

यह बातें डॉ. लाल ने बुधवार को डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के एमसीजे विभाग में 'जनसम्पर्क के क्षेत्र में पत्रकारिता के महत्व' विषय पर आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता कही। विभाग की पुरातन छात्रा आकाशवाणी केन्द्र वाराणसी की उद्घोषिका आराधना शर्मा ने कहा कि रेडियो की भाषा सहज, स्पष्ट एवं आकर्षक होनी चाहिए। जनसम्पर्क के क्षेत्र में रेडियो की भूमिका महत्वपूर्ण है। समन्वयक डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि जनसम्पर्क का क्षेत्र जितना व्यापक है उतना ही आकर्षक एवं अवसरों से भरा पड़ा है। डॉ. आरएन पाण्डेय व डॉ. अनिल विश्वा ने अतिथियों को अंगवस्त्रम भेंटकर स्वागत किया।

हिन्दुस्तान

दिनांकः 03 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

शहर 30s

आत्मरक्षा के लिए अभ्यास कराती प्रशिक्षक संजय हीला साथ में अन्य शिक्षक।

छात्राओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि के महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ, एनसीसी, महिला अध्यन केंद्र तथा एक्टिविटी क्लब की ओर से छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए। प्रशिक्षक संजय हीला ने छात्राओं को विपरीत परिस्थितियों में लड़ने के तरीके की जानकारी देते हुए ठुड्डी पर सीधे हाथ से पंच, पेट की तरफ बाएं हाथ से पंच व आंखों पर बाएं हाथ से सीधा पंच के साथ हील पाम स्ट्राइक, नी-स्ट्राइक, हैमर स्ट्राइक, स्ट्राइक का अभ्यास कराया।

अमर उजाला माईसिटी

दिनांक: 03 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

न्यूज डायरी

46 अभ्यर्थियों ने एमएड में कराई काउंसिलिंग

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय में चल रही एमएड प्रवेश काउंसिलिंग में बुधवार को 251 रैंक से लेकर 400 रैंक तक के अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग की गई। इसमें 46 अभ्यर्थियों ने काउंसिलिंग कराई। प्रवेश समन्वयक प्रो विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि काउंसिलिंग में उप समन्वयक प्रो शैलेन्द्र कुमार, डॉ अनिल यादव, डॉ शशि सिंह, डॉ नीलम सिंह, डॉ त्रिलोकी यादव, डॉ महेन्द्र सिंह, सुभाष विश्वकर्मा, विवेक कुमार, वासु गुप्ता मौजूद रहे। संवाद

स्नातक परीक्षा में 2264 छात्र रहे अनुपस्थित

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय की एनईपी स्नातक सम सेमेस्टर की दो पालियों की परीक्षा में 92,776 अभ्यर्थियों में से 2264 अनुपस्थित रहे। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ विजयेंदु चतुर्वेदी ने बताया कि सचल दल द्वारा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही है। संवाद

पत्रकारिता में भाषा विज्ञान पर पकड़ जरूरी

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में बुधवार को जनसंपर्क के क्षेत्र में पत्रकारिता के महत्व विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें हिस्सेदारी करते हुए मुख्य व्याख्यान महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक आचार्य डॉ मनोहर लाल ने दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में सहज भाषा विज्ञान पर पकड़ बनाना जरूरी है। अध्यक्षता एमसीजे समन्वयक डॉ विजयेंदु चतुर्वेदी ने की। संवाद

अमर उजाला माईसिटी

दिनांकः 03 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्याः 04

आत्मरक्षा प्रशिक्षण से लड़कियों में बढ़ता आत्मविश्वास : संजय

अवध विवि की छात्राओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ, एनसीसी, महिला अध्ययन केंद्र व एक्टिविटी क्लब द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए। प्रशिक्षक संजय हीला ने छात्राओं को बताया कि विपरीत परिस्थितियों में मस्तिष्क का प्रयोग करके आधी लड़ाई आसानी से जीत सकते हैं।

उन्होंने छात्राओं को कुछ तकनीक जैसे ठुड्डी पर सीधे हाथ से पंच, पेट की तरफ बाए हाथ से पंच व आंखों पर बाएं हाथ से सीधा पंच के साथ हील पाम स्ट्राइक, नी-स्ट्राइक, हैमर स्ट्राइक, स्ट्राइक का अभ्यास कराया। फिटनेस के माध्यम से आत्मरक्षा सीखना प्रमुख महत्व है।

विश्वविद्यालय अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो नीलम पाठक ने कहा कि सेल्फ डिफेंस से छात्राएं विषम परिस्थिति से अपने आप को निकाल सकती हैं। एनसीसी समन्वयक प्रो. शैलेंद्र वर्मा ने बताया कि बालिकाओं को आत्मरक्षा तकनीकों का रोजाना अभ्यास करना चाहिए ताकि वे आदत में बनी रहें और जरूरत पड़ने पर उसका उपयोग किया जा सके। सेल्फ डिफेंस सीखने से छात्राओं में एक नया आत्मविश्वास भी आएगा जो उन्हें विपरीत परिस्थितियों में काफी काम आएगा। संचालन डॉ स्नेहा पटेल ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र मिश्र, डॉ मनीषा यादव, आनंद मौर्य आदि मौजूद रहे। (संवाद)

दैनिक जागरण

दिनांक: 03 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

अविवि : स्नातक सम सेमेस्टर की परीक्षा में 2264 अनुपस्थित

संसू, अयोध्या : डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की स्नातक सम सेमेस्टर की परीक्षा में पंजीकृत 92 हजार 776 के सापेक्ष 2264 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली की परीक्षा में 1365 तथा दूसरी पाली में 899 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी डा. विजयेंदु चतुर्वेदी ने बताया कि सचल दल के सदस्यों ने परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

46 अभ्यर्थियों ने लिया प्रवेश : एमएड पाठ्यक्रम में प्रवेश की काउंसिलिंग में बुधवार को 46 अभ्यर्थियों ने काउंसिलिंग कराकर प्रवेश लिया। यह जानकारी प्रवेश समन्वयक प्रो. विनोद श्रीवास्तव ने दी।

जनहित जागरण लखनऊ

दिनांक: 03 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्या: 06

छात्रों के प्लेसमेंट के लिए भी काम करें विभाग : कुलपति

संवाददाता

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल ने विश्वविद्यालय में शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विभागों की उपलब्धियों को पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से परखा। उन्होंने विभागों के प्रेजेंटेशन के दौरान शिक्षकों से कहा कि अपनी शैक्षिक प्रोफाइल को और अपडेट करने की आवश्यकता है। इसके लिए शोध–पत्रों की संख्या बढ़ानी होगी। इसके अतिरिक्त छात्रों को अधिक से अधिक प्लेसमेंट मिले इस दिशा में सभी विभागों को कार्य करना होगा। मंगलवार सुबह विश्वविद्यालय की कुलपति ने प्रचेता भवन में शारीरिक शिक्षा, खेल एवं

योगिक विज्ञान संस्थान व जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग की शैक्षिक उपलब्धियों को पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन से देखा। इसमें कुलपति प्रो० गोयल ने विभागीय निदेशक, विभागाध्यक्ष, समन्वयक के प्रजेंटेशन से विभागीय शैक्षिक प्रोफाइल की पड़ताल की। शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योगिक विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो० एसएस मिश्र ने योग विज्ञान विभाग में कुलपति को संस्थान का परिचय दिया। उसके बाद शिक्षकों ने बारी–बारी से अपनी शैक्षिक गतिविधियों से उन्हें अवगत कराया। वहीं दूसरी ओर जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के समन्वयक डॉ० विजयेन्दु चतुर्वेदी ने प्रजेंटेशन के दौरान विभागीय शैक्षिक गतिविधियों से परिचित कराते हुए छात्रों के प्लेसमेंट की अद्यतन स्थिति से रूबरू कराया। मौके पर प्रो० एसके रायजादा, प्रो० तुहिना वर्मा, डॉ० पीके द्विवेदी, डॉ० गीतिका श्रीवास्तव मौजूद रहीं।

स्वतंत्र भारत

दिनांक: 3 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्या: 09

जनसम्पर्क के क्षेत्र में पत्रकारिता के महत्व विषय पर व्याख्यान का हुआ आयोजन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में बुधवार को जनसम्पर्क के क्षेत्र में पत्रकारिता के महत्व विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक आचार्य डॉ० मनोहर लाल ने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में स्वयं को सहज ही भाषा विज्ञान पर पकड़ बनानी आवश्यक है। अध्ययन, विमर्श, सवांद जैसे प्रमुख बिन्दुओं पर छात्रों को ध्यान केन्द्रित करना होगा। यही पत्रकारिता का धर्म भी है। उन्होंने कहा कि जनसम्पर्क के क्षेत्र में प्रबंधन के साथ आपस में विश्वसनीयता के परिवेश को तैयार करने की विधा विकसित करनी होगी। छवि निर्माण में सकारात्मकता का समन्वय महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सवांद कौशल के बिना जनसम्पर्क क्षेत्र में व्यक्ति सफल नही हो सकता। इसके लिए विद्यार्थियों को निरन्तर अध्ययन के

साथ व्यावहारिक ज्ञान का होना आवश्यक है। कार्यक्रम में विभाग की पुरातन छात्रा आकाशवाणी केन्द्र वाराणसी की उद्घोषिका आराधना शर्मा ने कहा कि रेडियो की भाषा सहज, स्पष्ट एवं आकर्षक होनी चाहिए। जनसम्पर्क के क्षेत्र में रेडियो की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक क्षेत्र में कवरेज की क्षमता रेडियो में होती है। भाषा पर पकड़ बनाकर सुस्पष्ट वाचन रेडियो का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ० विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि जनसम्पर्क का क्षेत्र जितना व्यापक है उतना ही आकर्षक एवं अवसरों से भरा पड़ा है। आज की इस डिजिटल दुनियां में इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए भाषा संवाद एवं लेखन पर जोर देना होगा। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक डॉ० आरएन पाण्डेय व डॉ० अनिल कुमार विश्वा द्वारा अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्रम भेटकर किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० चतुर्वेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर हार्दिक, दीपांशु, सर्वेश, रिसाली, प्रगति, तन्या, पलक, त्रिपादा स्वाति, शिवानी, मुस्कान सौरभ सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

स्वतंत्र भारत

दिनांक: 3 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्या: 09

दो पालियों की स्नातक सम-सेमेस्टर परीक्षा में 2264 अनुपस्थित

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में चल रही एमएड प्रवेश काउंसिलिंग में बुधवार को 251 रैंक से लेकर 400 रैंक तक के अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग की गई जिसमें 46 अभ्यर्थियों ने काउंसिलिंग कराई। प्रवेश समन्वयक प्रो0 विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि प्रवेश कांउसिलिंग उप समन्वयक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, डॉ0 अनिल कुमार यादव, डॉ0 शशि सिंह, डॉ0 नीलम सिंह, डॉ0 त्रिलोकी यादव, डॉ0 महेन्द्र सिंह, सुभाष विश्वकर्मा, विवेक कुमार, वासु गुप्ता ने सम्पन्न कराई। वही दूसरी ओर विश्वविद्यालय की एनईपी स्नातक सम सेमेस्टर की दो पालियों की परीक्षा में 92 हजार 776 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 2264 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली की परीक्षा में 40 हजार 813 में से 1365 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वही दूसरी पाली की परीक्षा में 51 हजार 963 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 899 अनुपस्थित रहे। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए विश्वविद्यालय के सचलदल द्वारा विभिन्न केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही है।

अवध गाथा

दिनांकः 03 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

अवध विवि की छात्राओं ने सीखें आत्मरक्षा के गुर

अवध गाथा संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ, एन0सी0सी, महिला अध्यन केंद्र तथा एक्टिविटी क्लब द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा के तकनीक गुर सिखाए गए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं प्रशिक्षक संजय हीला ने छात्राओं को बताया कि विपरित परिस्थितियों में मस्तिष्क का प्रयोग करके आधी

लड़ाई आसानी से जीत सकते है यदि आत्मरक्षा के तकनीकों का उचित उपयोग करना सीख जाए। उन्होंने छात्राओं को कुछ तकनीकों जैसे ठुड्डी पर सीधे हाथ से पंच, पेट की तरफ बाए हाथ से पंच तथा आंखो पर बाए हाथ से सीधा पंच के साथ हील पाम स्ट्राइक, नी-स्ट्राइक, हैमर स्ट्राइक, स्ट्राइक का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि आत्मरक्षा के साथ साथ ये तकनीक भविष्य में रोजगार के अवसर भी उत्पन्न करती है। आत्मरक्षा के गुर सभी बालिकाओं को सीखना चाहिए। उन्होंने बताया कि आत्मरक्षा वह विधि है जिससे व्यक्ति अपनी शक्ति से स्वयं की रक्षा कर सकता है। इसमें विभिन्न तकनीकें शामिल हैं लेकिन इसकी ओर पहला कदम फिटनेस है। फिटनेस के माध्यम से आत्मरक्षा सीखना प्रमुख महत्व है। आत्मरक्षा प्रशिक्षण तकनीक लड़कियों में आत्मविश्वास पैदा करती है। विश्वविद्यालय अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने कहा कि सेल्फ डिफेंस से छात्राएं विषम परिस्थिति से अपने आप को निकाल सकती हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास की भावना भी आ जाती है। इसलिए हर अभिभावक को अपनी बेटियों को यह प्रशिक्षण अवश्य दिलाना चाहिए। समन्वयक, महिला अध्ययन केंद्र तथा महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ, प्रो. तुहिना वर्मा ने कहा कि सेल्फ डिफेंस से बालिकाओं में शारीरिक बौद्धिक तथा मानसिक शक्तियों का भी विकास होता है। जिसका उपयोग करके बालिकाएं समाज में हो रहे अपराधों से मुक्ति पा सकती हैं। एनसीसी समन्वयक प्रो. शैलेंद्र वर्मा ने बताया कि बालिकाओं को आत्मरक्षा तकनीकों का रोजाना अभ्यास करना चाहिए ताकि वे आदत में बनी रहें और जरूरत पड़ने पर उसका उपयोग किया जा सके। बिना अभ्यास के अचानक से उसको उपयोग में लाना कठिन हो सकता है। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. स्नेहा पटेल ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र मिश्र, डॉ मनीषा यादव, आनंद मौर्य तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

बस्ती की पुकार

दिनांक: 03 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

जनसम्पर्क के क्षेत्र में सफलता के लिए संवाद कौशल आवश्यक:- डॉ0 मनोहर लाल

जनसम्पर्क का क्षेत्र आकर्षक एवं अवसरों से भरा: डॉ0 चतुर्वेदी

पत्रकारिता विभाग में जनसम्पर्क के क्षेत्र में पत्रकारिता के महत्व विषय पर व्याख्यान का आयोजन

बस्ती की पुकार हिन्दी दैनिक

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में बुधवार को जनसम्पर्क के क्षेत्र में पत्रकारिता के महत्व विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक आचार्य डॉ0 मनोहर लाल ने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में स्वयं को सहज ही भाषा विज्ञान पर पकड़ बनानी आवश्यक है। अध्ययन, विमर्श, संवाद जैसे प्रमुख बिन्दुओं पर छात्रों को ध्यान केन्द्रित करना होगा। यही पत्रकारिता का धर्म भी है। उन्होंने कहा कि जनसम्पर्क के क्षेत्र में प्रबंधन के साथ आपस में विश्वसनीयता के परिवेश को तैयार करने की विधा विकसित करनी होगी। छवि निर्माण में सकारात्मकता का समन्वय महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि संवाद कौशल के बिना जनसम्पर्क क्षेत्र में व्यक्ति सफल नही हो सकता। इसके लिए विद्यार्थियों को निरन्तर अध्ययन के साथ व्यावहारिक ज्ञान का होना आवश्यक है।

कार्यक्रम में विभाग की पुरातन छात्रा आकाशवाणी केन्द्र वाराणसी की उद्घोषिका आराधना शर्मा ने कहा कि रेडियो की भाषा सहज, स्पष्ट एवं आकर्षक होनी चाहिए। जनसम्पर्क के क्षेत्र में रेडियो की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक क्षेत्र में कवरेज की क्षमता रेडियो में होती है। भाषा पर पकड़ बनाकर सुस्पष्ट वाचन रेडियो का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि जनसम्पर्क का क्षेत्र जितना व्यापक है उतना ही आकर्षक एवं अवसरों से भरा पड़ा है। आज की इस डिजिटल दुनियां में इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए भाषा संवाद एवं लेखन पर जोर देना होगा। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक डॉ0 आरएन पाण्डेय व डॉ0 अनिल कुमार विश्वा द्वारा अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्रम भेटकर किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 चतुर्वेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर हार्दिक, दीपांशु, सर्वेश, रिसाली, प्रगति, तन्या, पलक, त्रिपादा स्वाति, शिवानी, मुस्कान सौरभ सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

बिजनौर एसपी ने कई थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में किए फेरबदल

बस्ती की पुकार

दिनांक: 03 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

अवध विवि की छात्राओं ने सीखें आत्मरक्षा के गुर

बस्ती की पुकार हिन्दी दैनिक

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ, एन0सी0सी, महिला अध्यन केंद्र तथा एक्टिविटी क्लब द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा के तकनीक गुर सिखाए गए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं प्रशिक्षक संजय हीला ने छात्राओं को बताया कि विपरित परिस्थितियों में मस्तिष्क का प्रयोग करके आधी लड़ाई आसानी से जीत सकते है यदि आत्मरक्षा के तकनीकों का उचित उपयोग करना सीख जाए। उन्होंने छात्राओं को कुछ तकनीकों जैसे ठुड्डी पर सीधे हाथ से पंच, पेट की तरफ बाए हाथ से पंच तथा आंखो पर बाए हाथ से सीधा पंच के साथ हील पाम स्ट्राइक, नी–स्ट्राइक, हैमर स्ट्राइक, स्ट्राइक का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि आत्मरक्षा के साथ साथ ये तकनीक भविष्य में रोजगार के अवसर भी उत्पन्न करती है। आत्मरक्षा के गुर सभी बालिकाओं को सीखना चाहिए। उन्होंने बताया कि आत्मरक्षा वह विधि है जिससे व्यक्ति अपनी शक्ति से स्वयं की रक्षा कर सकता है। इसमें विभिन्न तकनीकें शामिल हैं लेकिन इसकी ओर पहला कदम फिटनेस है। फिटनेस के माध्यम से आत्मरक्षा सीखना प्रमुख महत्व है। आत्मरक्षा प्रशिक्षण तकनीक लड़कियों में आत्मविश्वास पैदा करती है।

विश्वविद्यालय अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने कहा कि सेल्फ डिफेंस से छात्राएं विषम परिस्थिति से अपने आप को निकाल सकती हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास की भावना भी आ जाती है। इसलिए हर अभिभावक को अपनी बेटियों को यह प्रशिक्षण अवश्य दिलाना चाहिए। समन्वयक, महिला अध्ययन केंद्र तथा महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ, प्रो0 तुहिना वर्मा ने कहा कि सेल्फ डिफेंस से बालिकाओं में शारीरिक बौद्धिक तथा मानसिक शक्तियों का भी विकास होता है। जिसका उपयोग करके बालिकाएं समाज में हो रहे अपराधों से मुक्ति पा सकती हैं। एन0सी0सी0 समन्वयक प्रो0 शैलेंद्र वर्मा ने बताया कि बालिकाओं को आत्मरक्षा तकनीकों का रोजाना अभ्यास करना चाहिए ताकि वे आदत में बनी रहें और जरूरत पड़ने पर उसका उपयोग किया जा सके। बिना अभ्यास के अचानक से उसको उपयोग में लाना कठिन हो सकता है। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 स्नेहा पटेल ने किया। इस अवसर पर डॉ0 सुरेंद्र मिश्र, डॉ मनीषा यादव, आनंद मौर्य तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

बस्ती की पुकार

दिनांक: 03 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

तीसरे दिन 46 अभ्यर्थियों ने एमएड में कराई काउंसिलिंग

दो पालियों की स्नातक सम–सेमेस्टर की परीक्षा में 2264 अनुपस्थित

बस्ती की पुकार हिन्दी दैनिक

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में चल रही एमएड प्रवेश काउंसिलिंग में बुधवार को 251 रैंक से लेकर 400 रैंक तक के अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग की गई जिसमें 46 अभ्यर्थियों ने काउंसिलिंग कराई। प्रवेश समन्वयक प्रो0 विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि प्रवेश कांउसिलिंग उप समन्वयक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, डॉ0 अनिल कुमार यादव, डॉ0 शशि सिंह, डॉ0 नीलम सिंह, डॉ0 त्रिलोकी यादव, डॉ0 महेन्द्र सिंह, सुभाष विश्वकर्मा, विवेक कुमार, वासु गुप्ता ने सम्पन्न कराई।

वही दूसरी ओर विश्वविद्यालय की एनईपी स्नातक सम सेमेस्टर की दो पालियों की परीक्षा में 92 हजार 776 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 2264 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली की परीक्षा में 40 हजार 813 में से 1365 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वही दूसरी पाली की परीक्षा में 51 हजार 963 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 899 अनुपस्थित रहे। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए विश्वविद्यालय के सचलदल द्वारा विभिन्न केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही है।

स्वतंत्र चेतना

दिनांक: 03 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

पत्रकारिता के क्षेत्र में भाषा विज्ञान पर पकड़ बनानी आवश्यक : डॉ0मनोहर लाल

जनसम्पर्क के क्षेत्र में पत्रकारिता के महत्व पर व्याख्यान सम्पन्न

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में बुधवार को जनसम्पर्क के क्षेत्र में पत्रकारिता के महत्व विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक आचार्य डॉ0 मनोहर लाल ने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में स्वयं को सहज ही भाषा विज्ञान पर पकड़ बनानी आवश्यक है। अध्ययन, विमर्श, सवांद जैसे प्रमुख बिन्दुओं पर छात्रों को ध्यान केन्द्रित करना होगा। यही पत्रकारिता का धर्म भी है। उन्होंने कहा कि जनसम्पर्क के क्षेत्र में प्रबंधन के साथ आपस में विश्वसनीयता के परिवेश को तैयार करने की विधा विकसित करनी होगी।

कार्यक्रम में विभाग की पुरातन छात्रा आकाशवाणी केन्द्र वाराणसी की उद्घोषिका आराधना शर्मा ने कहा कि रेडियो की भाषा सहज, स्पष्ट एवं आकर्षक होनी चाहिए। जनसम्पर्क के क्षेत्र में रेडियो की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक क्षेत्र में कवरेज की क्षमता रेडियो में होती है। भाषा पर पकड़ बनाकंर सुस्पष्ट वाचन रेडियो का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि जनसम्पर्क का क्षेत्र जितना व्यापक है उतना ही आकर्षक एवं अवसरों से भरा पड़ा है। आज की इस डिजिटल दुनियां में इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए भाषा संवाद एवं लेखन पर जोर देना होगा। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक डॉ0 आरएन पाण्डेय व डॉ0 अनिल कुमार विश्वा द्वारा अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्रम भेटकर किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 चतुर्वेदी ने किया। इस अवसर पर हार्दिक, दीपांशु, सर्वेश, रिसाली, प्रगति, तन्या, पलक, त्रिपादा स्वाति, शिवानी, मुस्कान सौरभ सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

बंदूक के साथ गिरफ्तार

अयोध्या : बाबाबाजार थाना पुलिस ने बंदूक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ग्राम भटमऊ नरायनपुर मोड के पास से अशोक सि-ांह पुत्र शमसेर सिंह निवासी भनियापुर मजरे को डबल बैरल बंदूक के साथ गिरफ्तार किया है।

कुटुंब जागरण

दिनांक: 03 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

अवध विवि की छात्राओं ने सीखें आत्मरक्षा के गुर

कुटुंब जागरण ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ, एन0सी0सी, महिला अध्यन केंद्र तथा एक्टिविटी क्लब द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा के तकनीक गुर सिखाए गए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं प्रशिक्षक संजय हीला ने छात्राओं को बताया कि विपरित परिस्थितियों में मस्तिष्क का प्रयोग करके आधी लड़ाई आसानी से जीत सकते है यदि आत्मरक्षा के तकनीकों का उचित उपयोग करना सीख जाए। उन्होंने छात्राओं को कुछ तकनीकों जैसे ठुड्डी पर सीधे हाथ से पंच, पेट की तरफ बाए हाथ से पंच तथा आंखो पर बाए हाथ से सीधा पंच के साथ हील पाम स्ट्राइक, नी-स्ट्राइक, हैमर स्ट्राइक, स्ट्राइक का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि आत्मरक्षा के साथ साथ ये तकनीक भविष्य में रोजगार के अवसर भी उत्पन्न करती है। आत्मरक्षा के गुर सभी बालिकाओं को सीखना चाहिए। उन्होंने बताया कि आत्मरक्षा वह विधि है जिससे व्यक्ति अपनी शक्ति से स्वयं की रक्षा कर सकता है। इसमें विभिन्न तकनीकें शामिल हैं लेकिन इसकी ओर

पहला कदम फिटनेस है। फिटनेस के माध्यम से आत्मरक्षा सीखना प्रमुख महत्व है। आत्मरक्षा प्रशिक्षण तकनीक लड़कियों में आत्मविश्वास पैदा करती है। विश्वविद्यालय अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने कहा कि सेल्फ डिफेंस से छात्राएं विषम परिस्थिति से अपने आप को निकाल सकती हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास की भावना भी आ जाती है। इसलिए हर अभिभावक को अपनी बेटियों को यह प्रशिक्षण अवश्य दिलाना चाहिए। समन्वयक, महिला अध्ययन केंद्र तथा महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ, प्रो0 तुहिना वर्मा ने कहा कि सेल्फ डिफेंस से बालिकाओं में शारीरिक बौ)क तथा मानसिक शक्तियों का भी विकास होता है। जिसका उपयोग करके बालिकाएं समाज में हो रहे अपराधों से मुक्ति पा सकती हैं। एन0सी0सी0 समन्वयक प्रो0 शैलेंद्र वर्मा ने बताया कि बालिकाओं को आत्मरक्षा तकनीकों का रोजाना अभ्यास करना चाहिए ताकि वे आदत में बनी रहें और जरूरत पड़ने पर उसका उपयोग किया जा सके। बिना अभ्यास के अचानक से उसको उपयोग में लाना कठिन हो सकता है। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डश्0 स्नेहा पटेल ने किया। इस अवसर पर डश्0 सुरेंद्र मिश्र, डश् मनीषा यादव, आनंद मौर्य तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

कुटुंब जागरण

दिनांक: 03 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

तीसरे दिन 46 अभ्यर्थियों ने एमएड में कराई काउंसिलिंग

दो पालियों की स्नातक सम-सेमेस्टर की परीक्षा में 2264 अनुपस्थित

कुटुंब जागरण ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में चल रही एमएड प्रवेश काउंसिलिंग में बुधवार को 251 रैंक से लेकर 400 रैंक तक के अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग की गई जिसमें 46 अभ्यर्थियों ने काउंसिलिंग कराई। प्रवेश समन्वयक प्रो0 विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि प्रवेश काउंसिलिंग उप समन्वयक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, डॉ0 अनिल कुमार यादव, डॉ0 शशि सिंह, डॉ0 नीलम सिंह, डॉ0 त्रिलोकी यादव, डॉ0 महेन्द्र सिंह, सुभाष विश्वकर्मा, विवेक कुमार, वासु गुप्ता ने सम्पन्न कराई। वही दूसरी ओर विश्वविद्यालय की एनईपी स्नातक सम सेमेस्टर की दो पालियों की परीक्षा में 92 हजार 776 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 2264 परीक्षाथह्न अनुपस्थित रहे। प्रथम पाली की परीक्षा में 40 हजार 813 में से 1365 परीक्षाथह्न अनुपस्थित रहे। वही दूसरी पाली की परीक्षा में 51 हजार 963 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 899 अनुपस्थित रहे। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए विश्वविद्यालय के सचलदल द्वारा विभिन्न केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही है।

कुटुंब जागरण

दिनांक: 03 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

जनसम्पर्क के क्षेत्र में सफलता के लिए सवांद कौशल आवश्यक: डॉ0 मनोहर लाल

जनसम्पर्क का क्षेत्र आकर्षक एवं अवसरों से भरा: डॉ0 चतुर्वेदी

कुटुंब जागरण ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में बुधवार को जनसम्पर्क के क्षेत्र में पत्रकारिता के महत्व विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक आचार्य डॉ0 मनोहर लाल ने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में स्वयं को सहज ही भाषा विज्ञान पर पकड़ बनानी आवश्यक है। अध्ययन, विमर्श, सवांद जैसे प्रमुख बिन्दुओं पर छात्रों को ध्यान केन्द्रित करना होगा।

यही पत्रकारिता का धर्म भी है। उन्होंने कहा कि जनसम्पर्क के क्षेत्र में प्रबंधन के साथ आपस में विश्वसनीयता के परिवेश को तैयार करने की विधा विकसित करनी होगी। छवि निर्माण में सकारात्मकता का समन्वय महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सवांद कौशल के बिना जनसम्पर्क क्षेत्र में व्यक्ति सफल नही हो सकता। इसके लिए विद्यार्थियों को निरन्तर अध्ययन के साथ व्यावहारिक ज्ञान का होना आवश्यक है।कार्यक्रम में विभाग की पुरातन छात्रा आकाशवाणी केन्द्र वाराणसी की उद्घोषिका आराधना शर्मा ने कहा कि रेडियो की भाषा सहज, स्पष्ट एवं आकर्षक होनी चाहिए। जनसम्पर्क के क्षेत्र में रेडियो की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक क्षेत्र में कवरेज की क्षमता रेडियो में होती है। भाषा पर पकड़ बनाकर सुस्पष्ट वाचन रेडियो का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि जनसम्पर्क का क्षेत्र जितना व्यापक है उतना ही आकर्षक एवं अवसरों से भरा पड़ा है। आज की इस डिजिटल दुनियां में इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए भाषा संवाद एवं लेखन पर जोर देना होगा। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक डॉ0 आरएन पाण्डेय व डॉ0 अनिल कुमार विश्वा द्वारा अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्रम भेटकर किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 चतुर्वेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर हार्दिक, दीपांशु, सर्वेश, रिसाली, प्रगति, तन्या, पलक, त्रिपादा स्वाति, शिवानी, मुस्कान सौरभ सहित बड़ी संख्या में विद्याथह्न मौजूद रहे।

शांतिमोर्चा

दिनांकः 03 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

पत्रकारिता विभाग में जनसम्पर्क के क्षेत्र में पत्रकारिता के महत्व विषय पर व्याख्यान का आयोजन

जनसम्पर्क का क्षेत्र आकर्षक एवं अवसरों से भरा : डॉ. विजयेन्दु

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या , 02जुलाई । डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में बुधवार को जनसम्पर्क के क्षेत्र में पत्रकारिता के महत्व विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक आचार्य डॉ0 मनोहर लाल ने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में स्वयं को सहज ही भाषा विज्ञान पर पकड़ बनानी आवश्यक है। अध्ययन, विमर्श, सवांद जैसे प्रमुख बिन्दुओं पर छात्रों को ध्यान केन्द्रित करना होगा। यही पत्रकारिता का धर्म भी है। उन्होंने कहा कि जनसम्पर्क

के क्षेत्र में प्रबंधन के साथ आपस में विश्वसनीयता के परिवेश को तैयार करने की विधा विकसित करनी होगी। छवि निर्माण में सकारात्मकता का समन्वय महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सवांद कौशल के बिना जनसम्पर्क क्षेत्र में व्यक्ति सफल नही हो सकता। इसके लिए विद्यार्थियों को निरन्तर अध्ययन के साथ व्यावहारिक ज्ञान का होना आवश्यक है। कार्यक्रम में विभाग की पुरातन छात्रा आकाशवाणी केन्द्र वाराणसी की उद्घोषिका आराधना शर्मा ने कहा कि रेडियो की भाषा सहज, स्पष्ट एवं आकर्षक होनी चाहिए। जनसम्पर्क के क्षेत्र में रेडियो की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक क्षेत्र में कवरेज की क्षमता रेडियो में होती है। भाषा पर पकड़ बनाकर सुस्पष्ट वाचन रेडियो का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने कहा कि जनसम्पर्क का क्षेत्र जितना व्यापक है उतना ही आकर्षक एवं अवसरों से भरा पड़ा है। आज की इस डिजिटल दुनियां में इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए भाषा संवाद एवं लेखन पर जोर देना होगा। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक डॉ0 आरएन पाण्डेय व डॉ0 अनिल कुमार विश्वा द्वारा अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्रम भेटकर किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 चतुर्वेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर हार्दिक, दीपांशु, सर्वेश, रिसाली, प्रगति, तन्या, पलक, त्रिपादा स्वाति, शिवानी, मुस्कान सौरभ सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

शांतिमोर्चा

दिनांकः 03 अगस्त, 2023 पृष्ठ संख्याः 08

अवध विवि की छात्राओं ने सीखें आत्मरक्षा के गुर

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या , 02जुलाई । डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ, एन0सी0सी, महिला अध्यन केंद्र तथा एक्टिविटी क्लब द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा के तकनीक गुर सिखाए गए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं प्रशिक्षक संजय हीला ने छात्राओं को बताया कि विपरित परिस्थितियों में मस्तिष्क का प्रयोग करके आधी लड़ाई आसानी से जीत सकते है यदि आत्मरक्षा के तकनीकों का उचित उपयोग करना सीख जाए। उन्होंने छात्राओं को कुछ तकनीकों जैसे ठुड्डी पर सीधे हाथ से पंच, पेट की तरफ बाए हाथ से पंच तथा आंखो पर बाए हाथ से सीधा पंच के साथ हील पाम स्ट्राइक, नी–स्ट्राइक, हैमर स्ट्राइक,

स्ट्राइक का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि आत्मरक्षा के साथ साथ ये तकनीक भविष्य में रोजगार के अवसर भी उत्पन्न करती है। आत्मरक्षा के गुर सभी बालिकाओं को सीखना चाहिए। उन्होंने बताया कि आत्मरक्षा वह विधि है जिससे व्यक्ति अपनी शक्ति से स्वयं की रक्षा कर सकता है। इसमें विभिन्न तकनीकें शामिल हैं लेकिन इसकी ओर पहला कदम फिटनेस है। फिटनेस के माध्यम से आत्मरक्षा सीखना प्रमुख महत्व है।आत्मरक्षा प्रशिक्षण तकनीक लड़कियों में आत्मविश्वास पैदा करती है। विश्वविद्यालय अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने कहा कि सेल्फ डिफेंस से छात्राएं विषम परिस्थिति से अपने आप को निकाल सकती हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास की भावना भी आ जाती है। इसलिए हर अभिभावक को अपनी बेटियों को यह प्रशिक्षण अवश्य दिलाना चाहिए। समन्वयक, महिला अध्ययन केंद्र तथा महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ, प्रो0 तुहिना वर्मा ने कहा कि सेल्फ डिफेंस से बालिकाओं में शारीरिक बौद्धिक तथा मानसिक शक्तियों का भी विकास होता है। जिसका उपयोग करके बालिकाएं समाज में हो रहे अपराधों से मुक्ति पा सकती हैं। एन0सी0सी0 समन्वयक प्रो0 शैलेंद्र वर्मा ने बताया कि बालिकाओं को आत्मरक्षा तकनीकों का रोजाना अभ्यास करना चाहिए ताकि वे आदत में बनी रहें और जरूरत पड़ने पर उसका उपयोग किया जा सके। बिना अभ्यास के अचानक से उसको उपयोग में लाना कठिन हो सकता है। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 स्नेहा पटेल ने किया। इस अवसर पर डॉ0 सुरेंद्र मिश्र, डॉ मनीषा यादव, आनंद मौर्य तथा छात्राएं उपस्थित रही।